DR. BABASAHEB AMBEDKAR MARATHWADA UNIVERSITY, AURANGABAD [M.S.] INDIA.

CIRCULAR/ACAD [SYLL] SEC./HUMANITIES/ HINDI/2022.

It is hereby inform to all concerned that, in continuation of the Circular No./Acad Sec./ P.G./Rev. Curri./Col.& Uni.Cam./2021/ 3887-98 Date: 29.11.2021 on the recommendation of Board of Studies & Dean, Faculty of Humanities, ***the Hon'ble Vice-Chancellor has accepted the Minor Changes in the Curriculam of M.A. Hindi [Sem. I & II]*** *for common syllabi of university department and affiliated Colleges"* as appended herewith in his emergency powers under Section 12 [7] of the Maharashtra Public University Act, 2016 on behalf of the Academic Council.

This is effective from the Academic Year 2021-22 and Onwards.

All concerned are requested to note the contents of this circular and bring notice to the students, teachers and staff for their information and necessary action.

University campus,
Aurangabad-431 004.
Ref. No. Cir/ Acad[Syll] /Hindi/
Curri/ 2022/ 7180-90

Date: 24.01.2022.

****

Deputy Registrar,
Academic

Copy forwarded with compliments to:-

1] The Head, all Concerned University Departments,
Dr. Babasaheb Ambedkar Marathwada University, Aurangabad.
2] The Principals, all affiliated Colleges,
Dr. Babasaheb Ambedkar Marathwada University, Aurangabad.
3] The Director, University Network & Information Centre, UNIC, with **a request to upload this Circular on University Website.**

Copy to :-

1] The Director, Board of Examinations & Evaluation,
2]. The Section Officer, [M.A. Unit] Examination Branch,
3] The Section Officer, [Eligibility Unit],
4] The Programmer [Computer Unit-1] Examinations,
5] The Programmer [Computer Unit-2] Examinations,
6] The In-charge, [E-Suvidha [MKCL] Kendra],
7] The Public Relation Officer,
8] The Record Keeper,
Dr. Babasaheb Ambedkar Marathwada University, Aurangabad

-=**=-

DrK*240122/-

Dr.Babasaheb Ambedkar Marathwada University, Aurangabad

Curriculum Under Choice Based Credit & Grading System

M.A. I

HINDI

SEMESTER –I & II

Academic Year 2021-2022 & onwards

15/11/21

प्रोफेसर डॉ. शिवाजी सांगोळे
अध्यक्ष
हिन्दी अभ्यास मंडळ (B.O.S.
डॉ बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा
विद्यापीठ,औरंगाबाद

17-1-2022

MA I - Hindi Semester –I

	Theory Courses			
	Course No	Subject Title	Credits Teaching Learing	Work Load/ Weekly/Hours
Core Coure	Hindi 401	हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल तथा मध्यकाल)	4	5
	Hindi 402	भारतीय साहित्यशास्त्र	4	5
	Hindi 403	आदि तथा मध्यकालीन काव्य	4	5
वैकल्पिक प्रश्नपत्र विधा विशेष	Hindi 407	हिंदी कथा साहित्य	4	5
	Hindi 408	हिंदी कथेतर साहित्य	4	5
	Hindi 409	आधुनिक हिंदी काव्य	4	5
	Hindi 410	नाटक तथा एकांकी साहित्य	4	5
	Hindi 411	प्रवासी हिन्दी साहत्यि	4	5
	Hindi 412	अनूदित समकालीन मराठी कविता	4	5
अनिवार्य	Hindi 413	भारतीय संविधान	2	2
MA I - Hindi Semester –II				
Core Coure	Hindi 404	आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास	4	5
	Hindi 405	पाश्चात्य साहित्यशास्त्र	4	5
	Hindi 406	आधुनिक हिंदी कविता	4	5
वैकल्पिक प्रश्नपत्र विशेष रचनाकार	Hindi 414	संत कबीर	4	5
	Hindi 415	सूरदास	4	5
	Hindi 416	संत मीराबाई	4	5
	Hindi 417	तुलसीदास	4	5
	Hindi 418	जायसी	4	5
	Hindi 419	रहीम	4	5
अनिवार्य	Hindi 420	पुस्तक परीक्षण तथा सृजनात्मक लेखन	2	2

MA II - Hindi Semester –III

	Theory Courses			
	Course No	Subject Title	Credits Teaching Learing	Work Load/ Weekly/Hours
Core Coure	Hindi 501	भारतीय साहित्य : भाग- I	4	5
	Hindi 502	हिंदी भाषा का इतिहास	4	5
	Hindi 503	प्रयोजनमूलक हिंदी	4	5
वैकल्पिक प्रश्नपत्र रोजगारमूलक हिंदी	Hindi 507	कार्यालयीन हिंदी	4	5
	Hindi 508	माध्यम लेखन	4	5
	Hindi 509	अनुवाद विज्ञान	4	5
	Hindi 510	हिंदी कम्प्यूटरिंग	4	5
	Hindi 511	भाषिक संप्रेषण	4	5
	Hindi 512	भाषा शिक्षण	4	5

MA II - Hindi Semester -IV

Core Coure	Hindi 504	भारतीय साहित्य : भाग- II	4	5
	Hindi 505	भाषाविज्ञान	4	5
	Hindi 506	शोध प्रविधि	4	5
वैकल्पिक प्रश्नपत्र	Hindi 513	हिंदी के विभिन्न विमर्श	4	5
	Hindi 514	आलोचना तथा विविध वाद	4	5
	Hindi 515	विधा स्वरूप विवेचन	4	5
	Hindi 516	विशेष रचनाकार -प्रेमचंद	4	5
	Hindi 517	विशेष रचनाकार- सुशीला टाकभौरे	4	5
	Hindi 518	विशेष रचनाकार - शंकर पुणतांबेकर	4	5

MA – I Hindi Semester –I

Core Course - 401 हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल तथा मध्यकाल)

• **उद्देश्य :-** १. साहित्य इतिहास लेखन तथा उसकी परम्परा का अध्ययन २. साहित्य और युगबोध के संबंधों का अध्ययन ३. साहित्य अध्ययन की ऐतिहासिक दृष्टि का विकास	
• **अध्ययन –अध्यापन पद्धति :-** १. व्याख्यान २. दृक-श्राव्य साधनों का प्रयोग ३. गोष्ठी,परिचर्चा एवं स्वाध्याय ४. अतिथि विद्वानों के व्याख्यान	
• **पाठयांश**	**तासिकाएँ**
1.इतिहास दर्शन और साहित्य इतिहास लेखन परंपरा :- इतिहास से तात्पर्य, साहित्य इतिहास की अवधारणा एवं स्वरूप, साहित्य इतिहास और साहित्य विकास के सिद्धांत, हिंदी साहित्य इतिहास लेखन की आधारभूत सामग्री , साहित्येतिहास लेखन परम्परा हिंदी साहित्य का नामकरण और काल विभाजन	15
2.हिंदी साहित्य का आदिकाल :- **पृष्ठभूमि,सिद्ध,नाथ,जैन, रासो काव्यधारा का प्रवृत्यात्मक परिचय,प्रतिनिधि रचनाकार- सरहप्पा, गोरखनाथ, चंदबरदायी, अमीर खुसरो, विद्यापति**	15
3.भक्तिकाल :- पृष्ठभूमि,भक्ति-काव्य उद्भावना की विभिन्न मान्यताएँ	15
निर्गुण **काव्यधारा :-** सन्तकाव्य तथा सूफी काव्य: प्रवृत्यात्मक अध्ययन, प्रतिनिधि रचनाकार :- कबीर,जायसी	
सगुण काव्यधारा :- रामकाव्य तथा कृष्ण काव्य : प्रवृत्यात्मक अध्ययन प्रतिनिधि रचनाकार : तुलसीदास,सूरदास	
4.रीतिकाल :- पृष्ठभूमि, रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध तथा रीतिमुक्त काव्यधारा का प्रवृत्यात्मक अध्ययन, प्रतिनिधि रचनाकार- केशवदास, देव,बिहारी, नृपशंभु, भूषण,घनानंद	15

संदर्भ ग्रंथ :-

1. हिंदी साहित्य का इतिहास :आ. शुक्ल : नागरी प्रचारिणी सभा,वाराणसी
2. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास : गणपतिचंद्र गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3. हिंदी साहित्य की भूमिका : हजारीप्रसाद द्विवेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास : डॉ.बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
5. हिंदी साहित्य का अतीत (भाग 1/2): डॉ.विश्वनाथ प्रसाद त्रिपाठी,वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
6. हिंदी साहित्य का आदिकाल : हजारी प्रसाद द्विवेदी , वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
7. हिंदी साहित्य का इतिहास : सं.डॉ.नगेंद्र , मयुर पेपर बैक्स, नोएडा
8. हिंदी साहित्य का इतिहास : डॉ.माधव सोनटक्के, विकास प्रकाशन, कानपुर
9. हिंदी साहित्य का सही इतिहास – डॉ. चन्द्रभानु सोनवने,आलोक प्रकाशन,औरंगाबाद
10. हिंदी साहित्य का आधा इतिहास – डॉ. सुमन राजे ,भारतीय ज्ञानपीठ ,दिल्ली

प्रश्नपत्र का प्रारूप और अंक विभाजन

अंतर्गत निरंतर मूल्यांकन		सत्रांत परीक्षा	कुल अंक
टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	मौखिकी	80	100
10	10		

समय :- 2 घंटे — कुल अंक :-80

भाग - अ — 20 अंक

लघुत्तरी प्रश्न

अ) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए । (05 अंक)

आ) एक वाक्य में उत्तर दीजिए । (05 अंक)

इ) सही पर्याय का चयन कर उत्तर लिखिए । (05 अंक)

ई) सुमेलित कीजिए । (05 अंक)

भाग - ब — 60अंक

प्रश्न 1 ला :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 10 अंक
प्रश्न 2 रा :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 15 अंक
प्रश्न 3 रा :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 10 अंक
प्रश्न 4 था :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 15 अंक
प्रश्न 5 वाँ :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर किन्हीं दो पर टिपण्णी लिखिए (विकल्प समेत)	- 10 अंक

Core Course - 402 - भारतीय साहित्यशास्त्र

• **उद्देश्य :-** 1. भारतीय साहित्य चिंतन का परिचय 2. समीक्षात्मक दृष्टि का विकास 3. साहित्य सृजन,आस्वादन तथा मूल्यांकन क्षमता का विकास	
• **अध्ययन -अध्यापन पद्धति :-** 1. व्याख्यान 2. दृक-श्राव्य साधनों का प्रयोग 3. गोष्ठी,परिचर्चा एवं स्वाध्याय 4. अतिथि विद्वानों के व्याख्यान	
• **पाठयांश**	**तासिकाएँ**
भारतीय काव्यशास्त्र का संक्षिप्त इतिहास , काव्य का स्वरुप : लक्षण, तत्त्व, हेतु, प्रयोजन	**15**
रस सिद्धांत :-रस का स्वरूप, रसावयव,रस के प्रकार,भरत का रस-सूत्र तथा लोल्लट, शंकुक, भट्टनायक और अभिनवगुप्त की रस-सूत्र की व्याख्या	
अलंकार सिद्धांत :-अलंकार-चिन्तन की परम्परा, अलंकार: स्वरूप, महत्त्व एवं वर्गीकरण-शब्दालंकार, अर्थालंकार, उभयालंकार	15
रीति सिद्धांत :- रीति से तात्पर्य, वामन के रीति विषयक विचार, रीति के आधारभूत तत्व,रीति-भेद	
ध्वनि सिद्धांत :- ध्वनि से तात्पर्य, ध्वनि-चिंतन की परम्परा और आनंदवर्धन, ध्वनि के प्रमुख भेद, ध्वनि के आधार पर काव्य के भेद	15
वक्रोक्ति सिद्धांत :- वक्रोक्ति से तात्पर्य, वक्रोक्ति चिन्तन की परम्परा,कुंतक के वक्रोक्ति-विचार, वक्रोक्ति के प्रमुख भेद	15
औचित्य सिद्धांत :- औचित्य से तात्पर्य, औचित्य चिन्तन की परम्परा, आनंदवर्धन के औचित्य विचार, आचार्य क्षेमेंद्र के औचित्य विचार, औचित्य का महत्व तथा औचित्य के अंग	
ट्यूटोरियल /प्रकल्प/ स्वाध्याय	

संदर्भ :

1. विश्व साहित्यशास्त्र – सं.डॉ.नगेंद्र, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
2 संस्कृत साहित्य का इतिहास : सेठ कन्हैयालाल पोद्दार,नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
3. रस सिद्धांत : डॉ.नगेंद्र, नेशनल पब्लिसिंग हाउस, नई दिल्ली
4. भारतीय काव्य : डॉ विश्वंभरनाथ उपाध्याय,वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
5. भारतीय काव्यशास्त्र : तारकनाथ बाली,वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली.
6. साहित्यशास्त्र : डॉ. संजय नवले, दिव्य डिस्ट्रीब्युटर्स,कानपुर
7. भारतीय काव्यशास्त्र – डॉ.योगेंद्र प्रतापसिंह लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
8. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य सिद्धांत : डॉ.गणपतिचंद्र गुप्त ,लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
9. साहित्यशास्त्र - डॉ.नारायण शर्मा,छाया प्रकाशन,औरंगाबाद
10. साहित्यशास्त्र – डॉ. चन्द्रभानु सोनवने,आलोक प्रकाशन,औरंगाबाद

प्रश्नपत्र का प्रारूप और अंक विभाजन

अंतर्गत निरंतर मूल्यांकन		सत्रांत परीक्षा	कुल अंक
टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	मौखिकी	80	100
10	10		

समय :- 2 घंटे **कुल अंक :-80**

भाग - अ 20 अंक

लघुत्तरी प्रश्न

अ) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए I (05 अंक)

आ) एक वाक्य में उत्तर दीजिए I (05 अंक)

इ) सही पर्याय का चयन कर उत्तर लिखिए I (05 अंक)

ई) सुमेलित कीजिए I (05 अंक)

भाग - ब 60अंक

प्रश्न 1 ला :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 10 अंक
प्रश्न 2 रा :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 15 अंक
प्रश्न 3 रा :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 10 अंक
प्रश्न 4 था :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 15 अंक
प्रश्न 5 वाँ :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर किन्हीं दो पर टिपण्णी लिखिए (विकल्प समेत)	- 10 अंक

Core Course - 403 - आदि तथा मध्यकालीन काव्य

उद्देश्य-

1.आदि तथा मध्यकालीन काव्य का विकासात्मक अध्ययन

2.आदि तथा मध्यकालीन काव्य – आस्वाद और आलोचना क्षमता का विकास

3.आदि तथा मध्यकालीन काव्य और युगबोध की परख

अध्ययन- अध्यापन पद्धति –

1.व्याख्यान

2.दृक-श्राव्य साधनों का प्रयोग

3.गोष्ठी,चर्चा तथा स्वाध्याय

4.अतिथि विद्वानों के व्याख्यान

पाठ्यक्रम -

	पाठ्यांश	तासिकाएं
1	आदि तथा मध्यकालीन काव्य का विकास	15
2	विद्यापति की पदावली - (संपादक - डॉ. नरेन्द्र झा) - पद संख्या 1-05 (पांच पद) कबीर (सं.- हजारी प्रसाद द्विवेदी) - पद संख्या - 160-165 (पांच पद)	15
3	जायसी ग्रंथावली (सं. राम चन्द्र शुक्ल) - नागमती वियोग खण्ड - सूरदास भ्रमरगीत सार- (सं.- राम चन्द्र शुक्ल) - पद संख्या 21 से 25 - (पांच पद)	15
4	तुलसीदास रामचरितमानस, उत्तर काण्ड बिहारी सतसई- (सं.- जगन्नाथ दास रत्नाकर) - दोहा संख्या 1 से 05 (पांच दोहे) घनानन्द कवित्त (सं. विश्वनाथ मिश्र) - कवित्त संख्या 1-05 (पांच कवित्त)	15
	टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	

पाठ्य पुस्तक :-

आदि तथा मध्यकालीन काव्य- संपादक हिंदी अध्ययन मंडल, डॉ बाबासाहेब अम्बेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय , औरंगाबाद

सन्दर्भ ग्रन्थ :-

1. विद्यापति की पदावली - सं. रामवृक्ष बेनीपुरी, साहित्य सरोवर, प्रयागराज
2. कबीर - आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. जायसी ग्रंथावली - सं. रामचंद्र शुक्ल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
4. सूरदास 'भ्रमरगीतसार' - आचार्य रामचंद्र शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
5. हिंदी साहित्य का आदिकाल - आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, वाणी प्रकाशन पेपरबैक, नई दिल्ली

6. आदिकालीन हिंदी साहित्य : अध्ययन की दिशाएँ - सं. प्रो. अनिल राय, शिवालिक प्रकाशन, नई दिल्ली
7. गोस्वामी तुलसीदास - आचार्य रामचंद्र शुक्ल, साहित्य सरोवर, प्रयागराज
8. तुलसीदास आधुनिक वातायन से - डॉ. रमेश कुंतल मेघ, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
9. संतों का आन्दोलन मानव मुक्ति का आन्दोलन-प्रो.डॉ.विजयकुमार वैराटे , ईमलीवाला पाठक लालकोठी, जयपुर
10. संत साहित्य : दृष्टि और दर्शन -डॉ. करिष्मा पठाण, ए.आर. पब्लिशिंग कंपनी, नई दिल्ली-२०१६

प्रश्नपत्र का प्रारूप और अंक विभाजन

अंतर्गत निरंतर मूल्यांकन		सत्रांत परीक्षा	कुल अंक
टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	मौखिकी	80	100
10	10		

समय :- 2 घंटे कुल अंक :-80

भाग - अ

20 अंक

लघुत्तरी प्रश्न

अ) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए ।

आ) एक वाक्य में उत्तर दीजिए ।

इ) सही पर्याय का चयन कर उत्तर लिखिए ।

ई) सुमेलित कीजिए ।

भाग - ब

60अंक

प्रश्न 1 ला :-	ससंदर्भ व्याख्या कीजिए (विकल्प समेत)	-10 अंक
प्रश्न 2 रा :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	-15 अंक
प्रश्न 3 रा :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 10 अंक
प्रश्न 4 था :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 15 अंक
प्रश्न 5 वाँ :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर किन्हीं दो पर टिपणणी लिखिए (विकल्प समेत)	-10 अंक

वैकल्पिक प्रश्नपत्र - 407 - हिन्दी कथा साहित्य

उद्देश्य-

1.हिंदी कथा साहित्य का विकासात्मक अध्ययन
2.उपन्यास एवं कहानी – आस्वाद और आलोचना क्षमता का विकास
3.हिंदी कथा साहित्य और युग बोध की परख

अध्ययन- अध्यापन पद्धति–

1.व्याख्यान
2.दृक-श्राव्य साधनों का प्रयोग
3.गोष्ठी,चर्चा तथा स्वाध्याय
4.अतिथि विद्वानों के व्याख्यान

पाठ्यक्रम -

	पाठ्यांश	तासिकाएं
1	उपन्यास साहित्य का विकास	15
2	कहानी साहित्य का विकास	15
3	मैला ऑचल : संवेदना और शिल्पगत अध्ययन	15
4	पाठ्यक्रम में समाविष्ट कहानियों का संवेदना और शिल्पगत अध्ययन	15
	टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	

पाठ्यपुस्तकें –

अ.उपन्यास साहित्य :-

1. मैला ऑचल -फणीश्वरनाथ रेणु,राजकमल प्रकाशन,नई दिल्ली

आ.कहानी साहित्य :-

1. कथाधारा – संपादक हिंदी अध्ययन मंडल, डॉ बाबासाहेब अम्बेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय , औरंगाबाद

(कहानी क्रम-1.बैल की बिक्री- सियारामशरण गुप्त 2. रोज–अज्ञेय 3. वनकन्या–एलिस एक्का 4. राजनीति का बंटवारा–हरिशंकर परसाई 5. दोपहर का भोजन–अमरकांत 6. पानी और पुल–महीप सिंह 7. सजा– मन्नू भंडारी 8. अर्धांगिनी–शैलेष मटियानी 9. .युद्ध–शानी 10. फैसला–मैत्रेयी पुष्पा 11. दूसरा ताजमहल–नासिरा शर्मा 12.धुआं–रमाकांत शर्मा 13. कसाईबाडा – शिवमूर्ति 14 . सलाम–ओमप्रकाश वाल्मीकी 15.) उसे बुद्ध ने काटा –मधु कांकरिया)

सन्दर्भ ग्रन्थ :-
1.प्रेमचंद और उनका युग-रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
2.हिंदी उपन्यास- शिवनारायण श्रीवास्तव, सरस्वती मंदिर, वाराणसी
3.कहानी नयी कहानी-नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
4.कहानी आंदोलन की भूमिका-बलिराज पांडेय, अनामिका प्रकाशन, इलाहाबाद
5. कहानी : नई कहानी - नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
6 . नई कहानी : संदर्भ और प्रकृति - देवीशंकर अवस्थी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
7. कथा समय में तीन हमसफर - निर्मला जैन, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
८.. कहानी : समकालीन चुनौतियाँ - शम्भु गुप्त, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
9. . आधुनिक हिंदी साहित्य के विविध परिदृश्य :डॉ.मजीद शेख, अतुल प्रकाशन, ५७ पी,कुंजविहार. यशोदानगर, कानपुर
10 . नवम दशक के हिंदी उपन्यासों में व्यक्त स्त्री चरित्र : प्रा.डॉ. सुरेश मुंढे, शैलजा प्रकाशन, कानपुर,प्रथम संस्करण
11.कथाकार अमरकांत- डॉ.विजय कुमार वैराटे,अभय प्रकाशन ,कानपुर

प्रश्नपत्र का प्रारूप और अंक विभाजन

अंतर्गत निरंतर मूल्यांकन		सत्रांत परीक्षा	कुल अंक
टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	मौखिकी	80	100
10	10		

समय :- 2 घंटे — कुल अंक :-80

भाग - अ — 20 अंक

लघुत्तरी प्रश्न

अ) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए ।

आ) एक वाक्य में उत्तर दीजिए ।

इ) सही पर्याय का चयन कर उत्तर लिखिए ।

ई) सुमेलित कीजिए ।

भाग - ब — 60अंक

प्रश्न 1 ला :- ससंदर्भ व्याख्या कीजिए (विकल्प समेत) -10 अंक

प्रश्न 2 रा :- सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत) -15 अंक

प्रश्न 3 रा :- सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत) - 10 अंक

प्रश्न 4 था :- सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत) - 15 अंक

प्रश्न 5 वाँ :- सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर किन्हीं दो पर टिपण्णी लिखिए (विकल्प समेत) -10 अंक

वैकल्पिक प्रश्नपत्र - 408 - हिंदी कथेतर साहित्य

उद्देश्य-

1.हिंदी कथेतर गद्य साहित्य का विकासात्मक अध्ययन

2. निबंध,आत्मकथा,जीवनी,संस्मरण,रेखाचित्र ,यात्रा साहित्य,पत्र-साहित्य,डायरी, एवं अन्य विधाएं– आस्वाद और आलोचना क्षमता का विकास

3.हिंदी कथेतर गद्य साहित्य और युग बोध की परख

अध्ययन–अध्यापन पद्धति

1.व्याख्यान

2.दृक-श्राव्य साधनों का प्रयोग

3.गोष्ठी,चर्चा तथा स्वाध्याय

4.अतिथि विद्वानों के व्याख्यान

पाठ्यक्रम -

	पाठ्यांश	तासिकाएं
1	निबंध,आत्मकथा, जीवनी,संस्मरण,रेखाचित्र,यात्रा साहित्य,पत्र साहित्य,डायरी एवं अन्य विधाओं का विकास	15
2	निबंध,आत्मकथा, जीवनी,संस्मरण,रेखाचित्र,यात्रा साहित्य,पत्र साहित्य,डायरी एवं अन्य विधाओं का तात्विक विवेचन	15
3	कागजी है पैरहन : संवेदना और शिल्पगत अध्ययन	15
4	समकालीन गद्य – निबंध,आत्मकथा,जीवनी,संस्मरण,रेखाचित्र ,यात्रा साहित्य,पत्र-साहित्य,डायरी एवं अन्य विधाओं के पाठ्यांश का संवेदना और शिल्पगत अध्ययन	15
	टिटोरियल्स / प्रकल्प / स्वाध्याय	

पाठ्य पुस्तकें –

1. कागजी है पैरहन -इस्मत चुगताई,राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. समकालीन गद्य (17 पाठ)– डॉ.शकुन्तला सिंह, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली

सन्दर्भ ग्रन्थ :-

1. हिंदी का गद्य साहित्य - रामचंद्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

2. हिंदी का गद्य : विन्यास और विकास - रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3. गद्य की पहचान - अरुण प्रकाश, अंतिका प्रकाशन, नई दिल्ली
4. महादेवी - दूधनाथ सिंह, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
5. साहित्य अकादमी द्वारा प्रकाशित संबंधित लेखकों के मोनोग्राफ
6. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास - रामकुमार वर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
7. हिंदी साहित्य का इतिहास - लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
8. हिंदी साहित्य का अतीत (2 खंड) - विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी वितान, वाराणसी
9. पिंजरे की परिधि से बाहर का आत्मकथन –दत्तात्रय मुरूमकर, साहित्य संस्थान, गाजियाबाद, दिल्ली
10. हिंदी साहित्य : उद्भव और विकास - हजारीप्रसाद द्विवेदीए राजकमल प्रकाशनए नयी दिल्ली

प्रश्नपत्र का प्रारूप और अंक विभाजन

अंतर्गत निरंतर मूल्यांकन		सत्रांत परीक्षा	कुल अंक
टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	मौखिकी	80	100
10	10		

समय :- 2 घंटे कुल अंक :-80

भाग - अ 20 अंक

लघुत्तरी प्रश्न

अ) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए ।

आ) एक वाक्य में उत्तर दीजिए ।

इ) सही पर्याय का चयन कर उत्तर लिखिए ।

ई) सुमेलित कीजिए ।

भाग - ब 60अंक

प्रश्न 1 ला :-	ससंदर्भ व्याख्या कीजिए (विकल्प समेत)	- 10 अंक
प्रश्न 2 रा :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 15 अंक
प्रश्न 3 रा :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 10 अंक
प्रश्न 4 था :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 15 अंक
प्रश्न 5 वाँ :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर किन्हीं दो पर टिपण्णी लिखिए (विकल्प समेत)	- 10 अंक

वैकल्पिक प्रश्नपत्र - 409 - आधुनिक हिंदी काव्य

उद्देश्य-

1.हिंदी काव्य साहित्य का विकासात्मक अध्ययन

2.हिंदी काव्य – आस्वाद और आलोचना क्षमता का विकास

3.हिंदी काव्य और युगबोध की परख

अध्ययन–अध्यापन पद्धति–

1.व्याख्यान

2.दृक-श्राव्य साधनों का प्रयोग

3.गोष्ठी,चर्चा तथा स्वाध्याय

4.अतिथि विद्वानों के व्याख्यान

पाठ्यक्रम -

	पाठ्यांश	तासिकाएं
1	हिंदी काव्य का विकास	15
2	आधुनिक हिंदी काव्य की प्रवृत्तियां	15
3	शबरी : संवेदना और शिल्पगत अध्ययन	15
4	पद्य तरंग : संवेदना और शिल्पगत अध्ययन	15
	टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	

पाठ्यपुस्तकें –

1. शबरी–श्री नरेश मेहता, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. पद्य तरंग (18 कवि की 18 कविताएँ)-संपादक–पूर्णिमा आर. वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

सन्दर्भ ग्रन्थ :-

1) जयशंकर प्रसाद-नंददुलारे वाजपेयी, भारती भंडार, इलाहाबाद

2) कामायनी- एक पुनर्विचार-मुक्तिबोध, राजकमल प्रकाशन, नईदिल्ली

3) निराला की साहित्य साधना (तीन भाग) -रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

4) छायावाद : नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

5) *छायावाद और नवजागरण : महेन्द्रनाथ राय, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली*

6) *मुक्तिबोधः ज्ञान और संवेदना–नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली*

7) पंत, प्रसाद और मैथिलीशरण गुप्त - रामधारी सिंह दिनकर, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

8) *समकालीन कविता की प्रवृत्तियाँ –रामकली सराफ, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी*

9)आधुनिक हिंदी काव्य का इतिहास - प्रोफेसर संजय राठोड , अतुल प्रकाशन, कानपुर

10) समकालीन हिंदी कविता का बदलता परिदृश्य - प्रोफेसर संजय राठोड , साहित्य सागर प्रकाशन, कानपुर

प्रश्नपत्र का प्रारूप और अंक विभाजन

अंतर्गत निरंतर मूल्यांकन		सत्रांत परीक्षा	कुल अंक
टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	मौखिकी	**80**	**100**
10	**10**		

समय **:- 2 घंटे** कुल अंक **:-80**

भाग - अ 20 अंक

लघुत्तरी प्रश्न

अ) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए ।

आ) एक वाक्य में उत्तर दीजिए ।

इ) सही पर्याय का चयन कर उत्तर लिखिए ।

ई) सुमेलित कीजिए ।

भाग - ब 60अंक

प्रश्न 1 ला :-	ससंदर्भ व्याख्या कीजिए (विकल्प समेत)	- 10 अंक
प्रश्न 2 रा :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 15 अंक
प्रश्न 3 रा :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 10 अंक
प्रश्न 4 था :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 15 अंक
प्रश्न 5 वाँ :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर किन्हीं दो पर टिपण्णी लिखिए (विकल्प समेत)	- 10 अंक

वैकल्पिक प्रश्नपत्र - 410 - नाटक तथा एकांकी साहित्य

उद्देश्य-

1. नाटक तथा एकांकी साहित्य का विकासात्मक अध्ययन
2. नाटक तथा एकांकी साहित्य– आस्वाद और आलोचना क्षमता का विकास
3. नाटक तथा एकांकी साहित्य और युगबोध की परख

अध्ययन–अध्यापन पद्धति–

1.व्याख्यान
2.दृक-श्राव्य साधनों का प्रयोग
3.गोष्ठी,चर्चा तथा स्वाध्याय
4.अतिथि विद्वानों के व्याख्यान

पाठ्यक्रम -

	पाठ्यांश	तासिकाएं
1	नाटक तथा एकांकी साहित्य का विकास	15
2	नाटक तथा एकांकी साहित्य का तात्विक विवेचन	15
3	कहे कबीर सुनो भाई साधो : संवेदना और शिल्पगत अध्ययन	15
4	दस तस्वीरे में संकलित एकांकियों का संवेदना और शिल्पगत अध्ययन	15
5	टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	

पाठ्यपुस्तकें –

1. कहे कबीर सुनो भाई साधो–नरेंद्र मोहन, अमन प्रकाशन, कानपुर
2. दस तस्वीरे–डॉ.दिनेश प्रसाद सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

सन्दर्भ ग्रन्थ :-

1. नाट्य शास्त्र की भारतीय परंपरा और दशरूपक - हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
2. नाट्यशास्त्र - रेवाप्रसाद द्विवेदी, भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, शिमला
3. अंधेरी नगरी : संवेदना और शिल्प - सिद्धनाथ कुमार, अनुपम प्रकाशन, पटना
4. प्रसाद के नाटक - सिद्धनाथ कुमार, अनुपम प्रकाशन, पटना
5. मोहन राकेश और उनके नाटक - गिरीश रस्तोगी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

6. अन्धायुग : पाठ और प्रदर्शन - जयदेव तनेजा, नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा, नयी दिल्ली

7. हिंदी नाटक एवं रंगमंच - सं. नेमिचंद्र जैन, मैकमिलन प्रकाशन, नयी दिल्ली

8. शंकर शेष और रत्नाकर मतकरी के नाटकों का तुलनात्मक अध्ययन–डॉ. रवींद्रकुमार शिरसाट, अन्नापूर्णा प्रकाशन, कानपुर

9. हिंदी के प्रतिनिधि नाटकों में समकालीन संवदेनाएँ–डॉ.ईश्वर पवार, ज्ञानप्रकाश प्रकाशन आवास विकास, हंसपुरम,नौबस्ता कानपुर 208021

10. हिंदी मराठी का अनुदित साहित्य–डॉ.सुधाकर शेंडगे, विकास प्रकाशन,कानपुर

प्रश्नपत्र का प्रारूप और अंक विभाजन

अंतर्गत निरंतर मूल्यांकन		सत्रांत परीक्षा	कुल अंक
टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	मौखिकी	80	100
10	10		

समय :- 2 घंटे — कुल अंक :-80

भाग - अ — 20 अंक

लघुत्तरी प्रश्न

अ) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए ।

आ) एक वाक्य में उत्तर दीजिए ।

इ) सही पर्याय का चयन कर उत्तर लिखिए ।

ई) सुमेलित कीजिए ।

भाग - ब — 60अंक

प्रश्न 1 ला :-	ससंदर्भ व्याख्या कीजिए (विकल्प समेत)	- 10 अंक
प्रश्न 2 रा :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 15 अंक
प्रश्न 3 रा :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 10 अंक
प्रश्न 4 था :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 15 अंक
प्रश्न 5 वाँ :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर किन्हीं दो पर टिपण्णी लिखिए (विकल्प समेत)	- 10 अंक

वैकल्पिक प्रश्नपत्र - 411- प्रवासी हिंदी साहित्य

उद्देश्य-

1. विद्यार्थियों को भारत के बाहर लिखे जा रहे हिंदी साहित्य और उसकी सरंचना से रु-ब-रु कराना
2. विद्यार्थियों को हिंदी साहित्य के वैश्विक परिदृश्य को समझने की दृष्टि प्रदान करना
3. हिंदी भाषा के महाशक्ति के रूप में बढ़ते कदम से परिचय कराना
4. प्रवासी साहित्य की विविध साहित्यिक अभिव्यक्तियों की विद्यार्थियों में समझ विकसित करना

अध्ययन–अध्यापन पद्धति–

1. व्याख्यान
2. दृक-श्राव्य साधनों का प्रयोग
3. गोष्ठी,चर्चा तथा स्वाध्याय
4. अतिथि विद्वानों के व्याख्यान

पाठ्यक्रम -

	पाठ्यांश	तासिकाएं
1	प्रवासी साहित्य की अवधारणा	15
2	प्रवासी हिंदी साहित्य का उद्भव और विकास	15
3	देशांतर (प्रवासी भारतीयों की कहानियाँ): संवेदना और शिल्प	15
4	नया बसेरा : संवेदना और शिल्प	15
	टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	

पाठ्यपुस्तकें –

1. देशांतर (प्रवासी भारतीयों की कहानियाँ):–संपादक तेजेंद्र शर्मा, दिल्ली अकादमी, नई दिल्ली
2. नया बसेरा–संपादक–डॉ.पांडेय / रामकुमार,आर.के.पब्लिकेशन, मुंबई

सन्दर्भ ग्रन्थ :-

1. विश्व हिंदी रचना–कमल किशोर गोयनका, भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद,नई दिल्ली–2003
2. प्रवासी साहित्यः जोहान्सबर्ग से आगे, प्रधान संपादक, डॉ.कमल किशोर गोयनका,प्रकाशक–विदेश मंत्रालय,भारत सरकार, साउथ ब्लॉक,नई दिल्ली

3. उडने से पेशतर -महेन्द्र भल्ला, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली,2010
4. प्रवासी हिन्दी साहित्य संवेदना के विविध संदर्भ - सं. प्रतिभा मुदलियार,अमन प्रकाशन कानपुर
5. हवन -सुषम बेदी, पराग प्रकाशन, दिल्ली,2010
6. पूछो इस माटी से -रामदेव धुरन्धर, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली,2012
7. गाथा अमर बेल की–सुषम बेदी, नेशनल पब्लिशिंग हाउस,नई दिल्ली,2015
8. दिशाएँ बदल गई- नरेश भारतीय,राजपाल एंड संस,दिल्ली,2014
9. पथरीला सोना- रामदेव धुरंधर, हिंदी बुक सेंटर, नई दिल्ली,2012
10. लौटना-सुषम बेदी, पराग प्रकाशन, दिल्ली,2011

प्रश्नपत्र का प्रारूप और अंक विभाजन

अंतर्गत निरंतर मूल्यांकन		सत्रांत परीक्षा	कुल अंक
टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	मौखिकी	80	100
10	10		

समय :- 2 घंटे — कुल अंक :-80

भाग - अ — 20 अंक

लघुत्तरी प्रश्न

अ) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए ।

आ) एक वाक्य में उत्तर दीजिए ।

इ) सही पर्याय का चयन कर उत्तर लिखिए ।

ई) सुमेलित कीजिए ।

भाग - ब — 60अंक

प्रश्न 1 ला :-	ससंदर्भ व्याख्या कीजिए (विकल्प समेत)	- 10 अंक
प्रश्न 2 रा :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 15 अंक
प्रश्न 3 रा :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 10 अंक
प्रश्न 4 था :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 15 अंक
प्रश्न 5 वाँ :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर किन्हीं दो पर टिपण्णी लिखिए (विकल्प समेत)	- 10 अंक

वैकल्पिक प्रश्नपत्र - 412 – अनूदित समकालीन मराठी कविता

उद्देश्य-

1. समकालीन मराठी कविता से छात्रों को परिचित कराना।
2. प्रमुख समकालीन मराठी कवियों-कविताओं की कथ्यगत विशेषताएँ उजागर करना।
3. समकालीन मराठी कविता के माध्यम से विविध समस्याओं पर प्रकाश डालना।
4. समकालीन मराठी कविता के माध्यम से स्थानीय भाषा,साहित्य संस्कृति और परंपराओं के संदर्भ में छात्रों को अवगत कराना।

अध्ययन- अध्यापन पद्धति –

1.व्याख्यान
2.दृक-श्राव्य साधनों का प्रयोग
3.गोष्ठी,चर्चा तथा स्वाध्याय
4.अतिथि विद्वानों के व्याख्यान

पाठ्यक्रम -

	पाठयांश	तासिकाएं
1	मराठी अनूदित साहित्य का सामान्य परिचय	15
2	1 . रेणु पाचपोर- नदी,बस कुछ कहना हुआ 2. इंद्रजीत भालेराव-तथास्तु, बेटा-बाप 3. भगवान घांडे- घर , अन्नदाता किसान मेरा 4. ऋषिकेश कांबळे- चिरंतन दुःख का सनातन रिश्ता , महामानव 5. श्रीकांत देशमुख–गॉव गॉव का आसमान,वे नहीं करते हैं बात 6. उर्मिला चाकूरकर–पत्थर का भगवान होते समय,पांडुरंग प्रसन्न होता है 7. केशव देशमुख–ढाल, मीट्टी का गाना	15
3	8. प्रभाकर शेळके–इस मानवता के द्वीप पर,देह हृदय का मंदिर सॉस उसमें परमेश्वर 9. श्रीधर नांदेडकर–भूमिका, व्हायलिन 10. दासु वैद्य–राजघाट, सुनता रहता हूँ 11. प्रिया धारूरकर–बिना नमक,जादुगर 12. श्रीकांत उमरीकर- दरवाजा तो खोला जरा, व्दीपों का मंदिर 13. संजीवनी तडेगावकर–सहज मातृत्व,कालवड,(कवारी) 14. पी.विठ्ठल–मिट्टी की तरह पवित्र होना,पटकथा 15. संध्या रंगारी –नौ महिने के लिए, बचपन से ही ऑचल में छिपाया	15
4	16. विनायक पवार–बेटी, पग चिहन 17. पृथ्वीराज तौर- सीता,बादलों जैसे शब्दों के अर्थ	15

	18. हबीब भंडारे - सकीना बेगम और जवानी से भरी रात, गरीबी से ग्रस्त कर्म का भाष्य **19.** वी.रा.राठोड–मैं रोटी तलाशता हूँ तुम गीत गुनगुनाती रहना,लहू रिसते सलीब की टीस **20.** विश्वाधार देशमुख–कविता पिता की– 1. जिसकी कोख से जन्म होता **2** माँ होती है झूले का बलकू	
	टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	

पाठ्यपुस्तक –

अनूदित समकालीन मराठी कविता -संपादक ,हिंदी अध्ययन मंडल, डॉ बाबासाहेब अम्बेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय , औरंगाबाद

संदर्भ ग्रंथ :

1. *हिन्दी मराठी का श्रृंगारकाल–डॉ. इंद्र पवार*
2. *हिन्दी और मराठी साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन–डॉ.मिर्जा असदबेग रुस्तुम बेग*
3. *प्रादेशिक भाषा और साहित्य इतिहास– डॉ.सूर्यनारायण रणसुभे*
4. *हिन्दी तथा मराठी उपन्यासों का तुलनात्मक अध्ययन–शांतिस्वरूप गुप्त*
5. *आधुनिक मराठी साहित्य का प्रवृत्तिमूलक इतिहास–डॉ.सूर्यनारायण रणसुभे*
6. *अनुवाद समस्याएँ और संदर्भ – बलवंत जेऊरकर*
7. *प्रादेशिक भाषा साहित्य : मराठी पहचान ओर परख–गुलाबराव हाडे*
8. *तुलनात्मक साहित्य भारतीय परिप्रेक्ष्य–इन्द्रनाथ चौधुरी*
9. *अनुवाद विज्ञान : सिद्धांत एवं प्रविधि–भोलानाथ तिवारी*

प्रश्नपत्र का प्रारूप और अंक विभाजन

अंतर्गत निरंतर मूल्यांकन		सत्रांत परीक्षा	कुल अंक
टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	मौखिकी	**80**	**100**
10	**10**		

समय **:- 2 घंटे** **कुल अंक :-80**

भाग - अ 20 अंक

लघुत्तरी प्रश्न

अ) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए ।

आ) एक वाक्य में उत्तर दीजिए ।

इ) सही पर्याय का चयन कर उत्तर लिखिए ।

ई) सुमेलित कीजिए ।

भाग - ब 60 अंक

प्रश्न 1 ला :- ससंदर्भ व्याख्या कीजिए (विकल्प समेत) - 10 अंक

प्रश्न 2 रा :- सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत) - 15 अंक

प्रश्न 3 रा :- सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत) - 10 अंक

प्रश्न 4 था :- सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत) - 15 अंक

प्रश्न 5 वाँ :- सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर किन्हीं दो पर टिपण्णी लिखिए (विकल्प समेत) - 10 अंक

MA I - Hindi Semester –II

Core Course - 404 - आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास

उद्देश्य :-

1. हिंदी साहित्य के इतिहास का विकासात्मक ज्ञान प्रदान करना|
2. आधुनिक इतिहास लेखन, प्रमुख इतिहास ग्रंथों का अध्ययन करना
3. आधुनिक युगों का विशिष्ट ज्ञान प्रदान करना|
4. हिंदी साहित्य के आधुनिक युगों का विश्लेषणात्मक अध्ययन करना|

अध्ययन-अध्यापन पद्धति :-

1. व्याख्यान एवं विश्लेषण
2. संगोष्ठी, सामूहिक चर्चा और व्यक्तिगत स्वाध्याय
3. दृक-श्राव्य साधनों और माध्यमों का प्रयोग
4. अध्ययन यात्रा
5. विशेषज्ञ अतिथियों के व्याख्यान

पाठ्यक्रम -

	पाठयांश	तासिकाएं
1	आधुनिक काल की सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक, राजनैतिक और साहित्यिक परिस्थितियाँ, सामाजिक सुधारों का समग्र अध्ययन, वैश्वीकरण के परिप्रेक्ष्य में हिंदी साहित्य का विस्तार हिंदी कविताओं के आरंभिक पड़ाव : अ) पुनर्जागरण काल / भारतेंदु युग - साहित्यिक प्रवृतियाँ, प्रमुख रचनाएँ और रचनाकार आ) जागरण सुधार काल / द्विवेदी युग - साहित्यिक प्रवृतियाँ, प्रमुख रचनाएँ और रचनाकार इ) छायावादी काल / प्रसाद युग - साहित्यिक प्रवृतियाँ, प्रमुख रचनाएँ और रचनाकार	15
2	प्रगतिवादी कविता - साहित्यिक प्रवृतियाँ, प्रमुख रचनाकार उ) प्रयोगवादी कविता - साहित्यिक प्रवृतियाँ, प्रमुख रचनाकार ऊ) नवलेखन नई कविता - साहित्यिक प्रवृतियाँ, प्रमुख रचनाकार ए) समकालीन कविता - साहित्यिक प्रवृतियाँ, प्रमुख रचनाकार ऐ) आपात्कालोत्तर युग - साहित्यिक प्रवृतियाँ, प्रमुख रचनाकार ओ) इक्कीसवीं सदी की कविता - साहित्यिक प्रवृतियाँ, प्रमुख रचनाकार	15
3	गद्य विधाएँ :-सामान्य परिचय अ) लघुकथा-कहानी-उपन्यास आ) नाटक-एकांकी-रेडिओ एकांकी इ) निबंध-व्यंग्य ई) रेखाचित्र-संस्मरण उ) आत्मकथा-जीवनी ऊ) रिपोर्ताज ए) साक्षात्कारऐ) पत्रकारिताओ) डायरी औ) पत्र अं) यात्रावृत्त औ) आलोचना-शोध	15
4	**प्रमुख रचनाकार :-** 1) भारतेंदु हरिश्चंद्र २)प्रेमचंद ३) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' 4) हरिवंशराय बच्चन 5) गजानन माधव 'मुक्तिबोध' 6) मोहन राकेश 7) हरिशंकर परसाई 8) कुँवर नारायण 9) दुष्यंतकुमार त्यागी 10) जयप्रकाश कर्दम	15
	टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	

सन्दर्भ ग्रंथ :-

1. हिंदी साहित्य का इतिहास - रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
2. हिंदी साहित्य वाद,प्रवृतियां एवं विमर्श - दत्तात्रय मुरुमकर , साहित्य संस्थान, गाजियाबाद ,दिल्ली
3. हिंदी साहित्य : उद्भव और विकास - हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
4. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास - रामकुमार वर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5. नयी कविता : स्वरूप और समस्याएँ – जगदीश गुप्त, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली
6. हिंदी साहित्य का अतीत (2 खंड) - विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी वितान, वाराणसी
7. हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास - रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
8. भारतेंदु हरिश्चंद्र और हिंदी नवजागरण की समस्याएँ - रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
9. महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण - रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
10. हिंदी का गद्य साहित्य - रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
11. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ - नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

प्रश्नपत्र का प्रारूप और अंक विभाजन

अंतर्गत निरंतर मूल्यांकन		सत्रांत परीक्षा	कुल अंक
टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	मौखिकी	80	100
10	10		

समय :- 2 घंटे — कुल अंक :-80

भाग - अ — 20 अंक

लघुत्तरी प्रश्न

अ) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए । (05 अंक)

आ) एक वाक्य में उत्तर दीजिए । (05 अंक)

इ) सही पर्याय का चयन कर उत्तर लिखिए । (05 अंक)

ई) सुमेलित कीजिए । (05 अंक)

भाग - ब — 60 अंक

प्रश्न 1 ला :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 10 अंक
प्रश्न 2 रा :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 15 अंक
प्रश्न 3 रा :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 10 अंक
प्रश्न 4 था :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 15 अंक
प्रश्न 5 वाँ :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर किन्हीं दो पर टिपण्णी लिखिए (विकल्प समेत)	- 10 अंक

Core Course - 405 - पाश्चात्य साहित्यशास्त्र

उद्देश्य :-

1. पाश्चात्य साहित्यशास्त्र की अवधारणाओं को समझना|
2. भारतीय और पाश्चात्य साहित्य परम्परा को समझना|
3. तुलनात्मक आलोचना को समझना|
4. आधुनिक दार्शनिक अवधारणाओं को समझना|
5.

अध्ययन-अध्यापन पद्धति :-

1. व्याख्यान एवं विश्लेषण
2. संगोष्ठी, सामूहिक चर्चा और व्यक्तिगत स्वाध्याय
3. दृक-श्राव्य साधनों और माध्यमों का प्रयोग
4. अध्ययन यात्रा
5. विशेषज्ञ अतिथियों के आभासी व्याख्यान

पाठ्यक्रम -

	पाठ्यांश	तासिकाएं
1	पाश्चात्य साहित्यशास्त्र का संक्षिप्त इतिहास प्राचीन दार्शनिकों के साहित्य सिद्धांत - प्लेटो, अरस्तु,होरेस, लोंगुनुस, दांते नवशास्त्रवादी आलोचकों के साहित्य सिद्धांत - फिलिप सिडनी, बेन जॉनसन, जॉन ड्रायडन, जोसेफ एडिसन, अलेक्झांडर पोप, सैम्युएल जॉनसन	15
2	स्वच्छंदतावाद मार्क्सवाद मनोविश्लेषणवाद स्त्रीवाद	15
3	नई समीक्षा संरचनावाद और विखंडनवाद ऐतिहासिक आलोचना	15
4	उत्तर-उपनिवेशवादी आलोचक पाश्चात्य साहित्यशास्त्र की कतिपय अवधारणाएँ - आदर्शवाद, यथार्थवाद, कलावाद, जीवनवाद	15
	टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	

सन्दर्भ ग्रंथ :-

1. पाश्चात्य काव्य शास्त्र : अधुनातन सन्दर्भ - डॉ. सत्यदेव मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2. सौंदर्यशास्त्र की पाश्चात्य परंपरा - राजेंद्र प्रताप सिंह, नया साहित्य प्रकाशन इलाहाबाद
3. पाश्चात्य साहित्यशास्त्र : सिद्धांत और संप्रदाय - डॉ. कृष्ण वल्लभ जोशी, स्मृति प्रकाशन, इलाहाबाद
4. पाश्चात्य काव्यशास्त्र की परंपरा - सं. डॉ. सावित्री सिन्हा, दिल्ली विश्वविद्यालय
5. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य सिद्धांत - डॉ. अलका द्विवेदी, साहित्य रत्नालय, कानपुर
6. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत - डॉ. मधु वासवा तथा डॉ. अशोक शाह, अमर प्रकाशन, मथुरा
7. पाश्चात्य समीक्षा दर्शन - डॉ. जगदीश चंद्र जैन, हिंदी प्रचारक संस्थान,'वाराणसी
8. काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन -डॉ.अजय प्रकाश, डॉ.प्रतीक मिश्र,डॉ.योगेन्द्रप्रताप सिंह,समवेत प्रकाशन,कानपूर,
9. पाश्चात्य साहित्य शास्त्र की भूमिका - डॉ. मदन केवलिया, अनुपम प्रकाशन, जयपुर
10. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र की रूपरेखा - डॉ. पंडित बन्ने, निशा पब्लिकेशन, कानपुर
11. पाश्चात्य साहित्य चिंतन - निर्मला जैन, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली

प्रश्नपत्र का प्रारूप और अंक विभाजन

अंतर्गत निरंतर मूल्यांकन		सत्रांत परीक्षा	कुल अंक
टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	मौखिकी	80	100
10	10		

समय :- 2 घंटे — कुल अंक :-80

भाग - अ — 20 अंक

लघुत्तरी प्रश्न

अ) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए । (05 अंक)
आ) एक वाक्य में उत्तर दीजिए । (05 अंक)
इ) सही पर्याय का चयन कर उत्तर लिखिए । (05 अंक)
ई) सुमेलित कीजिए । (05 अंक)

भाग - ब — 60अंक

प्रश्न 1 ला :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 10 अंक
प्रश्न 2 रा :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 15 अंक
प्रश्न 3 रा :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 10 अंक
प्रश्न 4 था :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 15 अंक
प्रश्न 5 वाँ :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर किन्हीं दो पर टिपण्णी लिखिए (विकल्प समेत)	- 10 अंक

Core Course - 406 - आधुनिक हिंदी कविता

उद्देश्य :-

1. आधुनिक हिंदी कविता का विश्लेषणात्मक ज्ञान प्रदान करना|
2. छायावादी कविता का अध्ययन करना|
3. प्रगतिवादी कविता का अध्ययन करना|
4. प्रयोगवादी कविता का अध्ययन करना|
5. समकालीन कविता का अध्ययन करना|

अध्ययन-अध्यापन पद्धति :-

1. व्याख्यान एवं विश्लेषण
2. संगोष्ठी, सामूहिक चर्चा और व्यक्तिगत स्वाध्याय
3. दृक-श्राव्य साधनों और माध्यमों का प्रयोग
4. अध्ययन यात्रा
5. विशेषज्ञ अतिथियों के आभासी व्याख्यान

पाठ्यक्रम -

	पाठयांश	तासिकाएं
1	जयशंकर प्रसाद रचित 'कामायनी' का 'श्रद्धा'सर्ग	15
2	अज्ञेय रचित नदी के द्वीप, 'असाध्यवीणा' गजानन माधव मुक्तिबोध रचित लम्बी कविता 'ब्रह्मराक्षस'	15
3	सुदामा पाण्डेय 'धूमिल' रचित लम्बी कविता 'मोचीराम ' , ' रोटी और संसद	15
4	डॉ बलभीमराज गोरे रचित मेरा गाँव, मेरी कविता, मास्टर प्लान में डॉ. जर्रा काज़ी रचित - 3 कविताएँ 1) नानी माँ (जूतों का हार) 2) खोज (बे-दुम का बन्दर) 3) नारी का सम्मान करो (कलम का बलम)	15
	टिटोरियल्स / प्रकल्प / स्वाध्याय	

पाठ्य पुस्तक :-

आधुनिक हिंदी कविता - संपादक हिंदी अध्ययन मंडल, डॉ बाबासाहेब अम्बेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय , औरंगाबाद

सन्दर्भ ग्रंथ :-

1. कविता से साक्षात्कार - मलयज, संभावना प्रकाशन, हापुड़
2. अज्ञेय और आधुनिक रचना की समस्या - रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3. छायावाद की प्रासंगिकता - रमेशचंद्र शाह, वाग्देवी प्रकाशन, बीकानेर
4. कविता के नये प्रतिमान - नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली

5. कामायनी के अध्ययन की समस्याएँ - नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली
6. कामायनी : एक पुनर्विचार - गजानन माधव मुक्तिबोध, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
7. मेरी चुनिंदा कविताएं - बलभीमराज गोरे, वान्या प्रकाशन, कानपुर
8. लंबी कविताओं का रचना-विधान - सं. नरेन्द्र मोहन, मैकमिलन, नयी दिल्ली
9. जूतों का हार...(हास्य-व्यंग्य) डॉ. ज़र्रा, समता प्रकाशन 6, शास्त्रीनगर,रूरा कानपुर209303
10. बे-दुम का बन्दर...(हास्य-व्यंग्य) - डॉ. ज़र्रा, महाराष्ट्र पब्लिकेशन, उस्मानाबाद
11. कलम का बलम ...(हास्य-व्यंग्य) - डॉ. ज़र्रा,यशराज प्रकाशन, वैराग रोड उस्मानाबाद
12. हिंदी साहित्य तथा भाषा को महाराष्ट्र की देन- डॉ रणजीत जाधव, विकास प्रकाशन , कानपुर
13. डॉ बलभीमराज गोरे के काव्य में राजनीतिक चेतना - बी. के. पाथरीकर समता प्रकाशन, कानपुर

प्रश्नपत्र का प्रारूप और अंक विभाजन

अंतर्गत निरंतर मूल्यांकन		सत्रांत परीक्षा	कुल अंक
टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	मौखिकी	80	100
10	10		

समय :- 2 घंटे

कुल अंक :-80

भाग - अ

20 अंक

लघुत्तरी प्रश्न

अ) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए ।

आ) एक वाक्य में उत्तर दीजिए ।

इ) सही पर्याय का चयन कर उत्तर लिखिए ।

ई) सुमेलित कीजिए ।

भाग - ब

60अंक

प्रश्न 1 ला :-	ससंदर्भ व्याख्या कीजिए (विकल्प समेत)	- 10 अंक
प्रश्न 2 रा :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 15 अंक
प्रश्न 3 रा :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 10 अंक
प्रश्न 4 था :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 15 अंक
प्रश्न 5 वाँ :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर किन्हीं दो पर टिपण्णी लिखिए (विकल्प समेत)	- 10 अंक

वैकल्पिक प्रश्नपत्र - 414 - विशेष रचनाकार 'कबीर'

उद्देश्य :-

1. हिंदी साहित्य के भक्तिकालीन भक्तिपरक तथा सामाजिक काव्य का अध्ययन
2. हिंदी साहित्य के भक्तिकाल के प्रमुख कवि कबीर विशेष अध्ययन
3. कबीर की काव्यगत शक्ति और सीमाओं का परिचय
4. कबीर के काव्य की प्रासंगिकता का अध्ययन

अध्ययन-अध्यापन पद्धति :-

1. व्याख्यान एवं विश्लेषण
2. संगोष्ठी, सामूहिक चर्चा और व्यक्तिगत स्वाध्याय
3. दृक-श्राव्य साधनों और माध्यमों का प्रयोग
4. अध्ययन यात्रा
5. विशेषज्ञ अतिथियों के व्याख्यान

पाठ्यक्रम -

	पाठयांश	तासिकाएं
1	निर्गुण मत और कबीर,भक्ति आन्दोलन और कबीर,संत कबीर का विस्तृत जीवन परिचय ,संत काव्य परंपरा और कबीर,कबीर का दर्शन,कबीर के राम,कबीर की सामाजिक विचारधारा,कबीर की धार्मिक विचारधारा,कबीर का साहित्य,कबीर काव्य की प्रासंगिकता,कबीर का विद्रोह,	15
2	कबीर की दार्शनिकता- ब्रह्म, जीव, माया, जगत्, मोक्ष,कबीर की भक्ति भावना का स्वरूप,कबीर का रहस्यवाद,कबीर की भाषा,	15
3	कबीर की उलटबासियाँ और प्रतीक पद्धति,कबीर के बीजक में समाविष्ट प्रमुख काव्यरूप (साखी, सबद, रमैनी आदि)	15
4	**कबीर ग्रंथावली** - डॉ.हजारीप्रसाद द्विवेदी पाठ्यक्रम में समाविष्ट दोहे : 1, 11, 12, 18, 19, 22, 31, 35, 39, 41, 42, 45, 52, 53, 54, 55, 63, 67, 130, 134, 153, 156, 168, 175, 176, 177, 179, 186, 187, 191, 196, 199, 200, 202, 204, 220, 224, 234, 237, 241, 253	15
	टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	

पाठ्य पुस्तक

1. **कबीर ग्रंथावली** - डॉ.हजारीप्रसाद द्विवेदी , राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

सन्दर्भ ग्रंथ :-

1. कबीर बीजक का भाषा शास्त्रीय अध्ययन- डॉ शुकदेव सिंह, अनुराग प्रकाशन वाराणसी
२. कबीर : संपा.विजयेंद्र स्नातक, साहित्य अकादमी, दिल्ली
३. कबीर साहित्य की परंपरा : आ.परशुराम चतुर्वेदी, राजपाल एण्ड सन्ज, दिल्ली
4. कबीर की विचारधारा : डॉ.गोविंद त्रिगुणायत, साहित्य निकेतन, कानपुर
5. कबीर साधना और साहित्य : डॉ.प्रतापसिंह चौहान, ग्रंथम, कानपुर
6. कबीर का रहस्यवाद : डॉ.रामकुमार वर्मा, साहित्य भवन लिमिटेड, इलाहाबाद
7. कबीर एक अनुशीलन : डॉ.रामकुमार वर्मा, साहित्य भवन लिमिटेड, इलाहाबाद
8. कबीर चिंतन : डॉ.ब्रजभूषण शर्मा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
9. कबीर के आलोचक : डॉ.धर्मवीर, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
10. कबीर चिंतन - नारायण प्रसाद वाजपेयी,भावना प्रकाशन,नई दिल्ली
11. कबीर का वचनामृत - विजयेंद्र स्नातक,नेशनल पब्लिशिंग हाउस,नई दिल्ली

प्रश्नपत्र का प्रारूप और अंक विभाजन

अंतर्गत निरंतर मूल्यांकन		सत्रांत परीक्षा	कुल अंक
टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	मौखिकी	80	100
10	10		

समय :- 2 घंटे　　　　　　　　　　　　कुल अंक :-80

भाग - अ　　　　　　　　20 अंक

लघुत्तरी प्रश्न

अ) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए ।

आ) एक वाक्य में उत्तर दीजिए ।

इ) सही पर्याय का चयन कर उत्तर लिखिए ।

ई) सुमेलित कीजिए ।

भाग - ब　　　　　　　　60अंक

प्रश्न 1 ला :-	ससंदर्भ व्याख्या कीजिए (विकल्प समेत)	-10 अंक
प्रश्न 2 रा :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	-15 अंक
प्रश्न 3 रा :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 10 अंक
प्रश्न 4 था :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 15 अंक
प्रश्न 5 वाँ :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर किन्हीं दो पर टिपणणी लिखिए (विकल्प समेत)	-10 अंक

वैकल्पिक प्रश्नपत्र - 415 - विशेष रचनाकार 'सूरदास'

- **उद्देश्य :-**
  1. भक्तिकालीन परिस्थितियों के परिप्रेक्ष्य में सूरदास के व्यक्तित्व तथा कृतित्व से परिचित कराते हुए हिंदी साहित्य में उनके योगदान को जानकारी देना|
  2. सूरदास की भक्ति पद्धति को स्पष्ट कराना|
  3. सूरदास की काव्य-कला से परिचित कराना|
  4. सूरदास के काव्य के सामाजिक पक्ष से अवगत कराना|
- **अध्ययन-अध्यापन पद्धति :-**
  1. व्याख्यान एवं विश्लेषण
  2. संगोष्ठी, सामूहिक चर्चा और व्यक्तिगत स्वाध्याय
  3. दृक-श्राव्य साधनों और माध्यमों का प्रयोग
  4. अध्ययन यात्रा
  5. विशेषज्ञ अतिथियों के आभासी व्याख्यान

पाठ्यक्रम -

	पाठयांश	तासिकाएं
1	सूरदास की भक्ति का दार्शनिक आधार,सूरदास का जीवन एवं कार्य,कृष्णकाव्य की परम्परा के प्रणेता सूरदास ,सूरदास के काव्य में सामाजिक पक्ष,सूरदास की काव्य कला,सूरदास के काव्य में अलंकार योजना,सूरदास की भाषा,	15
2	सूरदास की रचना : भ्रमरगीत,भ्रमरगीतसार में सूर की मौलिक उद्भावनाएँ,भ्रमरगीत : वियोग श्रृंगार,भ्रमरगीत की बिंब योजना,भ्रमरगीत में प्रकृति वर्णन	15
3	सूरदास की भक्ति भावना,सूरदास की वात्सल्य भक्ति	15
4	सूरदास -संपादक : आचार्य रामचंद्र शुक्ल पाठ्यक्रम में समाविष्ट पद - 1, 5, 6, 7, 8, 12, 13, 15, 16, 18, 20, 24, 25, 31, 34, 39, 40, 42, 44, 45, 48, 57, 64, 75, 86, 89, 93, 94, 101, 102, 105, 107, 108, 111, 122, 134, 135, 136, 138, 154	15
3	टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	

पाठ्य पुस्तक

सूरदास - संपादक : आचार्य रामचंद्र शुक्ल प्रकाशक : श्री.गोपालदास पोरवाल, साहित्य सेवा सदन, वाराणसी

सन्दर्भ ग्रंथ :-

सूरदास - रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी

सूर साहित्य - हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली

महाकवि सूरदास – नंददुलारे वाजपेयी, आत्माराम एण्ड संस, दिल्ली

1. सूरदास और उनका साहित्य - डॉ.मुंशीराम शर्मा
2. भारतीय साधना और सूर साहित्य - डॉ. हरवंशलाल शर्मा
3. सूर की काव्यकला - मनमोहन गौतम
4. सूर साहित्य - डॉ.हजारीप्रसाद द्विवेदी
5. सूर की भाषा - डॉ.प्रेमनारायण टंडन
6. कृष्णकाव्य और सूर - सांस्कृतिक संदर्भ - डॉ. प्रेमशंकर
7. सूरदास - आ.रामचंद्र शुक्ल
8. सूरदास : एक पुनरावलोकन - डॉ.ओमप्रकाश शर्मा
9. महाकवि सूरदास - आ.नंददुलाले वाजपेयी
10. भ्रमरगीत का काव्य सौंदर्य - डॉ.सत्येंद्र पारिख
11. भ्रमरगीत:एक अन्वेषण - डॉ.सत्येंद्र
12. सूर की गोपिका: एक मनोवैज्ञानिक अध्ययन: डॉ.प्रभारानी भाटिया
13. सूरदास - डॉ.ब्रजेश्वर वर्मा

प्रश्नपत्र का प्रारूप और अंक विभाजन

अंतर्गत निरंतर मूल्यांकन		सत्रांत परीक्षा	कुल अंक
टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	मौखिकी	80	100
10	10		

समय :- 2 घंटे — कुल अंक :-80

भाग - अ — 20 अंक

लघुत्तरी प्रश्न

अ) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए ।
आ) एक वाक्य में उत्तर दीजिए ।
इ) सही पर्याय का चयन कर उत्तर लिखिए ।
ई) सुमेलित कीजिए ।

भाग - ब — 60अंक

प्रश्न 1 ला :-	ससंदर्भ व्याख्या कीजिए (विकल्प समेत)	- 10 अंक
प्रश्न 2 रा :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 15 अंक
प्रश्न 3 रा :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 10 अंक
प्रश्न 4 था :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 15 अंक
प्रश्न 5 वाँ :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर किन्हीं दो पर टिपण्णी लिखिए (विकल्प समेत)	- 10 अंक

वैकल्पिक प्रश्नपत्र - 416 विशेष रचनाकार 'मीराबाई '

- **उद्देश्य :-**
  1. मध्ययुगीन परिस्थितियों का परिचय करवाना।
  2. भक्तिकालीन साहित्य में मीराबाई के योगदान को स्पष्ट करना।
  3. महिला लेखन के दृष्टि से मीराबाई के साहित्य को परिचित कराना।
  4. मीराबाई के साहित्य के संवेदनात्मक पक्षों का विश्लेषणात्मक अध्ययन करना।
  5. मीराबाई के साहित्य के शिल्प पक्ष का विश्लेषणात्मक अध्ययन करना।
- **अध्ययन-अध्यापन पद्धति**
  1. व्याख्यान एवं विश्लेषण
  2. संगोष्ठी, सामूहिक चर्चा और व्यक्तिगत स्वाध्याय
  3. दृक-श्राव्य साधनों और माध्यमों का प्रयोग
  4. अध्ययन यात्रा
  5. विशेषज्ञ अतिथियों के व्याख्यान

पाठ्यक्रम -

	पाठयांश	तासिकाएं
1	**मीराबाई का- जीवन परिचय तथा तत्कालिन परिस्थितियाँ-** मीराबाई का जन्म,मीराबाई का कृष्णप्रेम,मीराबाई का विवाह,मीराबाई का परिवार त्याग तत्कालिक परिस्थियाँ – राजनीतिक, सामाजिक, साहित्यिक परिस्थितियाँ	15
2	**मीराबाई के साहित्य की शिल्पगत विशेषताएँ-** मीराबाई के वर्ण्य विषय,मीराबाई के साहित्य में रस,मीराबाई के साहित्य की भाषा ,मीराबाई के साहित्य की शैली,मीराबाई के साहित्य में छंदविचार,मीराबाई के साहित्य में अलंकार	15
3	**मीराबाई के काव्य का भाव-पक्ष गत विशेषताएँ-** विनय तथा प्रार्थना सम्बन्धी पद,कृष्ण के सौंदर्य वर्णन सम्बन्धी पद,प्रेम संबंधी पद,जीवन संबंधी पद,रहस्यवादी भावना के पद,मीराबाई की भक्तिभावना,मीराबाई की सगुण भक्ति,मीराबाई की कृष्ण भक्ति,मीराबाई के काव्य में नाम महिमा	15
4	**मीराबाई की संपूर्ण पदावली-** **पाठ्यक्रम में समाविष्ट पद क्र. -** 1,18,21,23,32,38,41,45,65,72,73,74,75,77,78,79,80,94,102,104,107,109,111,113, 115,116,118,134,135,136,137,138,142,196,200,201,202,203,204,205,207,210,211, 212,218,219,236,240,237,264,269,270,271	15
	टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	

पाठ्य पुस्तक-

मीराबाई की संपूर्ण पदावली - संपा.डॉ. रामकिशोर शर्मा, डॉ.सुजीतकुमार शर्मा-, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली

- संदर्भ ग्रंथ

1. मीराबाई का काव्य – श्री. मुरलीधर श्रीवास्तव, साहित्य भवन लिमिटेड, प्रयाग
2. मीरा और मीरा, महादेवी वर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
3. मीरा का काव्य – डॉ.विश्वनाथ त्रिपाठी राजकमल, प्रकाशन, दिल्ली
4. मीरा: एक पुनर्मूल्यांकन (सं.) पल्लव, आधार प्रकाशन, पंचकुला, हरियाणा
5. मीरा जीवन और परिचय सुदर्शन भाटिया, बालाजी पब्लिकशेन, मुजफ्फरनगर, उत्तर प्रदेश
6. नारी चेतना की प्रतीक मीराबाई- एस.एस.गौतम, सिद्धार्थ बुक्स, नयी दिल्ली
7. कृष्ण उपासिका मीरा- डॉ. चन्द्रिका प्रसाद शर्मा, परमेश्वर प्रकाशन, नयी दिल्ली
8. मीरा मुक्तावली – सं.नरोत्तमदास स्वामी, राजस्थानी ग्रंथाधर, जोधपूर
9. संत मीराबाई और उनकी पदावली – सं.बलदेव वंशी, परमेश्वरी प्रकाशन, नयी दिल्ली
10. मीराबाई का काव्य – श्री.मुरलीधर श्रीवास्तव, साहित्य-भवन लिमिटेड, प्रयाग
11. संत जनाबाई और संत मीराबाई के काव्य में अभिव्यक्त भक्तिभावना-डॉ.जयश्री किनारीवाल,संकल्प प्रकाशन,कानपुर

प्रश्नपत्र का प्रारूप और अंक विभाजन

अंतर्गत निरंतर मूल्यांकन		सत्रांत परीक्षा	कुल अंक
टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	मौखिकी	80	100
10	10		

समय :- 2 घंटे　　　　　　　　　　कुल अंक :-80

भाग - अ　　　　20 अंक

लघुत्तरी प्रश्न

अ) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए ।

आ) एक वाक्य में उत्तर दीजिए ।

इ) सही पर्याय का चयन कर उत्तर लिखिए ।

ई) सुमेलित कीजिए ।

भाग - ब　　　　60अंक

प्रश्न 1 ला :-	ससंदर्भ व्याख्या कीजिए (विकल्प समेत)	-10 अंक
प्रश्न 2 रा :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	-15 अंक
प्रश्न 3 रा :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 10 अंक
प्रश्न 4 था :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 15 अंक
प्रश्न 5 वाँ :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर किन्हीं दो पर टिपण्णी लिखिए (विकल्प समेत)	-10 अंक

वैकल्पिक प्रश्नपत्र - 417 - विशेष रचनाकार 'तुलसीदास'

उद्देश्य :-

1. भक्तिकालीन परिस्थितियों के परिप्रेक्ष्य में गोस्वामी तुलसीदास के व्यक्तित्व तथा कृतित्व से परिचित कराते हुए हिंदी साहित्य में उनके योगदान को जानकारी देना|
2. गोस्वामी तुलसीदास की समन्वय साधना को जानना|
3. गोस्वामी तुलसीदास की काव्य-कला से परिचित कराना|
4. गोस्वामी तुलसीदास के काव्य की प्रासंगिकता से अवगत कराना|

अध्ययन-अध्यापन पद्धति :-

1. व्याख्यान एवं विश्लेषण
2. संगोष्ठी, सामूहिक चर्चा और व्यक्तिगत स्वाध्याय
3. दृक-श्राव्य साधनों और माध्यमों का प्रयोग
4. अध्ययन यात्रा
5. विशेषज्ञ अतिथियों के व्याख्यान

पाठ्यक्रम -

	पाठयांश	तासिकाएं
1	दार्शनिक पृष्ठभूमि : रामानुजाचार्य का विशिष्टाद्वैतवाद,तुलसीदास का जीवन एवं कार्य,रामकाव्य की परम्परा के प्रवर्तक तुलसीदास, .तुलसीदास के शिल्प प्रयोग ,तुलसीदास की भक्ति भावना,रामचरित मानस का महाकाव्यत्व, .रामचरितमानस : चार वक्ता चार श्रोता,तुलसी का रामाराज्यादर्श ,रामचरितमानस में लोक-मंगल ,रामचरितमानस में संस्कृति ,रामचरित मानस में सगुण-निर्गुण का समन्वय,रामचरित- मानस और भायप भक्ति ,	15
2	तुलसीदास की रचनाओं का सामान्य परिचय : रामलला नहछू, वैराग्य संदीपनी, बरवै रामायण, पार्वती मंगल, जानकी मंगल, रामाज्ञा प्रश्न, दोहावली, कवितावली, गीतावली, कृष्णगीतावली, रामचरितमानस, विनयपत्रिका, हनुमान बाहुक	15
3	कवितावली की प्रासंगिकता ,कवितावली और तुलसीकालीन समाज,विनयपत्रिका का प्रयोजन ,विनयपत्रिका का वर्ण्य विषय ,विनयपत्रिका में भक्ति भावना,विनयपत्रिका में दैन्य भाव, विनयपत्रिका में मनोविज्ञान ,विनयपत्रिका में गीति तत्व ,विनयपत्रिका का शिल्प पक्ष ,तुलसीदास का हिंदी भक्तिकाव्य में स्थान, तुलसीदास का लोकनायकत्व ,रामचरित मानस की भाषा, रामचरित मानस का छन्दोविधान,	15
4	रामचरितमानस : उत्तरकाण्ड (सम्पूर्ण)	15
	टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	

सन्दर्भ ग्रंथ :-

1. रामचंद्र शुक्ल- गोस्वामी तुलसीदास, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
2. रमेश कुणाल- तुलसीदास आधुनिक वातायन से, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली

3. मुंशी लाल शर्मा- तुलसी का मानस, ग्रंथम प्रकाशन, कानपुर
4. विश्वनाथ त्रिपाठी- लोकवादी तुलसीदास, राजकमल प्रकाशन दिल्ली
5. परशुराम चतुर्वेदी- मानस की राम कथा, किताब महल इलाहाबाद
6. तुलसीदास एवं एकनाथ के साहित्य में व्यक्त मानव मूल्यों का विशलेषण-डॉ.दत्तात्रय येडले,शैलजा प्रकाशन,कानपुर
7. तुलसी साहित्य के बदलते प्रतिमान - चंद्रभानु रावत
8. विश्वकवि तुलसी और उनका काव्य - डॉ. रामप्रसाद मिश्र
9. तुलसी की साहित्य साधना - डॉ. लल्लन राय
10. तुलसीदास : वस्तु एवं शिल्प - डॉ. आनंदप्रकाश दीक्षित
11. तुलसी साहित्य में नीति, भक्ति और दर्शन - डॉ. हरिश्चंद्र वर्मा
12. लोकनायक तुलसीदास विविध आयाम - सं. डॉ. अशोक मर्डे

प्रश्नपत्र का प्रारूप और अंक विभाजन

अंतर्गत निरंतर मूल्यांकन		सत्रांत परीक्षा	कुल अंक
टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	मौखिकी	80	100
10	10		

समय :- 2 घंटे — कुल अंक :-80

भाग - अ — 20 अंक

लघुत्तरी प्रश्न

अ) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए ।

आ) एक वाक्य में उत्तर दीजिए ।

इ) सही पर्याय का चयन कर उत्तर लिखिए ।

ई) सुमेलित कीजिए ।

भाग - ब — 60अंक

प्रश्न 1 ला :-	ससंदर्भ व्याख्या कीजिए (विकल्प समेत)	- 10 अंक
प्रश्न 2 रा :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 15 अंक
प्रश्न 3 रा :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 10 अंक
प्रश्न 4 था :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 15 अंक
प्रश्न 5 वाँ :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर किन्हीं दो पर टिपण्णी लिखिए (विकल्प समेत)	- 10 अंक

वैकल्पिक प्रश्नपत्र - 418 - विशेष रचनाकार 'जायसी'

उद्देश्य :-

1. भक्तिकालीन प्रेमाश्रयी काव्य का अध्ययन
2. भक्तिकालीन राजनैतिक परिस्थितियों का अध्ययन
3. भक्तिकालीन काव्य भाषा का अध्ययन
4. सूफी काव्यधारा का परिचय

अध्ययन-अध्यापन पद्धति :-

1. व्याख्यान एवं विश्लेषण
2. संगोष्ठी, सामूहिक चर्चा और व्यक्तिगत स्वाध्याय
3. दृक-श्राव्य साधनों और माध्यमों का प्रयोग
4. अध्ययनयात्रा
5. विशेषज्ञ अतिथियों के व्याख्यान

पाठ्यक्रम -

	पाठयांश	तासिकाएं
1	सूफी काव्यधारा/निर्गुण प्रेमाश्रयी काव्यधारा, मलिक मुहम्मद जायसी का जीवनवृत,जायसी के ग्रन्थ – पद्मावत, अखरावट, कहरनामा, चित्ररेखा, मसलनामा, कन्हावत और आखरी कलाम, सूफी काव्य में सांस्कृतिक समन्वय,	15
2	पद्मावत में इतिहास व कल्पना का समन्वय, पद्मावत में लोकतत्व,पद्मावत की प्रबंधात्मकता,जायसी का रहस्यवाद,पद्मावत में प्रेमतत्व, पद्मावत में विरह वर्णन,पद्मावत में चरित्र चित्रण,पद्मावत की महाकाव्यात्मकता, पद्मावत की भाषा तथा अलंकार योजना,जायसी की काव्यकला	15
3	पद्मावत- जायसी पाठ्यक्रम में समाविष्ट खंड – खंड 2 –सिंहलद्वीप - वर्णन खंड	15
4	पाठ्यक्रम में समाविष्ट खंड – खंड 51 – पद्मावती-गोरा बादल संवाद खंड	15
	टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	

पाठ्य पुस्तक-

पद्मावत- जायसी- संपा.डॉ.माताप्रसाद गुप्त, भारती भण्डार, इलाहाबाद

संदर्भ ग्रंथ :-

1. जायसी के पद्मावत का मूल्यांकन – प्रो.हरेंद्र प्रताप सिन्हा
2. महाकवि जायसी और उनका काव्य – डॉ.इक्बाल अहमद साहित्य भवन, इलाहाबाद

3. मलिक मुहम्मद जायसी और उनका काव्य – डॉ.शिवसहाय पाठक, ग्रंथम प्रकाशन, कानपुर
4. जायसी पद्मावत काव्य और दर्शन – डॉ.गोविंद त्रिगुणायत
5. पद्मावत में काव्य, संस्कृति और दर्शन – डॉ. द्वारिका प्रसाद सक्सेना, विनोद पुस्तक मंदिर, कानपुर
6. पद्मावत का काव्य सौंदर्य – डॉ.चंद्रबली पाण्डेय
7. सूफी संतों का मानवतावादी आन्दोलन–डॉ.विजय कुमार एस. वैराटे डॉ. विजयकुमार वैराटे, ईमलिवाला पाठकलाल कोठी गांधीनगर, जयपुर
8. संतों का आन्दोलन मानव मुक्ति का आन्दोलन–डॉ. विजयकुमार वैराटे, प्रकाशन : ईमलिवाला पाठकलाल कोठी गांधीनगर, जयपुर
9. रविशंकर उपाध्याय - पद्मावत : एक सांस्कृतिक अध्ययन, कला प्रकाशन, वाराणसी
10. आचार्य रामचंद्र शुक्ल - जायसी ग्रंथावली, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

प्रश्नपत्र का प्रारूप और अंक विभाजन

अंतर्गत निरंतर मूल्यांकन		सत्रांत परीक्षा	कुल अंक
टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	मौखिकी	80	100
10	10		

समय :- 2 घंटे — कुल अंक :-80

भाग - अ — 20 अंक

लघुत्तरी प्रश्न

अ) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए ।

आ) एक वाक्य में उत्तर दीजिए ।

इ) सही पर्याय का चयन कर उत्तर लिखिए ।

ई) सुमेलित कीजिए ।

भाग - ब — 60अंक

प्रश्न 1 ला :-	ससंदर्भ व्याख्या कीजिए (विकल्प समेत)	-10 अंक
प्रश्न 2 रा :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	-15 अंक
प्रश्न 3 रा :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 10 अंक
प्रश्न 4 था :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 15 अंक
प्रश्न 5 वाँ :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर किन्हीं दो पर टिपण्णी लिखिए (विकल्प समेत)	-10 अंक

वैकल्पिक प्रश्नपत्र - 419 - विशेष रचनाकार 'अब्दुर्रहिम खान-ए-खाना 'रहीम'

उद्देश्य :-

१. भक्तिकालीन मुस्लिम कवियों का परिचय
२. अकबर के दरबारी विद्वानों का परिचय
३. भक्त रहीम का परिचय
४. मध्ययुगीन हिन्दू-मुस्लिम सांस्कृतिक समन्वय
५. तुलसीदास और रहीम की मित्रता का अध्ययन
६. मध्ययुगीन भक्तिकाव्य, नीतिकाव्य और रीतिकाव्य में रहीम का स्थान

अध्ययन-अध्यापन पद्धति :-

१. व्याख्यान एवं विश्लेषण
२. संगोष्ठी, सामूहिक चर्चा और व्यक्तिगत स्वाध्याय
३. दृक-श्राव्य साधनों और माध्यमों का प्रयोग
४. अध्ययन यात्रा
५. विशेषज्ञ अतिथियों के व्याख्यान

पाठ्यक्रम -

	पाठयांश	तासिकाएं
1	कवि रहीम का परिचय , रहीम का जीवन संघर्ष , रहीम की रचनाएँ – दोहावली, नगरशोभा, बरवै नायिका भेद, बरवै, शृंगार सोरठा, मदनाष्टक, खेट कौतुक जातकम, संस्कृत काव्य, फुटकर सोरठा, फ़ारसी दीवान: सामान्य परिचय,	15
2	रहीम : लोक मानस के चितेरे, नीति और रीति के कवि ,हिन्दू-मुस्लिम एकता के पक्षधर ,रहीम के भाषायी प्रयोग,रहीम के छंद प्रयोग	15
3	दोहावली के २० दोहे,नगर शोभा के 10 दोहे,बरवै नायिका भेद के 10 बरवै, भक्ति के 10 बरवै	15
4	शृंगार के 6 सोरठे ,मदनाष्टक 8,फुटकर १० पद,संस्कृत मिश्रित 6 श्लोक	15
	टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	

सन्दर्भ ग्रंथ :-

१. रहीम रत्नावली – मायाशंकर याज्ञिक
२. रहिमन विलास – ब्रजरत्नदास
३. रहिमन विनोद – अयोध्याप्रसाद शर्मा
४. रहीम – सं. रामनरेश त्रिपाठी
५. रहिमन विलास – राधाकृष्ण दास
६. रहिमन शतक – लाला भगवानदीन
७. रहिमन चंद्रिका – रामनाथ सुमन
८. खेतकौतुक जातकम – टीकाकार पं. नारायणप्रसाद शर्मा

९. बरवै नायिकाभेद – सं. नकछेदी तिवारी
१०. रहीम कवितावली – सं. सुरेन्द्रनाथ तिवारी
११. रहीम ग्रंथावली – सं. डॉ. विद्यानिवास मिश्र
१२. खानखाना नामा – देवीप्रसाद मुंशी
१३. रहीम – विजयेन्द्र स्नातक

प्रश्नपत्र का प्रारूप और अंक विभाजन

अंतर्गत निरंतर मूल्यांकन		सत्रांत परीक्षा	कुल अंक
टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	मौखिकी	80	100
10	10		

समय :- 2 घंटे कुल अंक :-80

भाग - अ 20 अंक

लघुत्तरी प्रश्न

अ) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए ।

आ) एक वाक्य में उत्तर दीजिए ।

इ) सही पर्याय का चयन कर उत्तर लिखिए ।

ई) सुमेलित कीजिए ।

भाग - ब 60अंक

प्रश्न 1 ला :-	ससंदर्भ व्याख्या कीजिए (विकल्प समेत)	-10 अंक
प्रश्न 2 रा :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	-15 अंक
प्रश्न 3 रा :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 10 अंक
प्रश्न 4 था :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 15 अंक
प्रश्न 5 वाँ :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर किन्हीं दो पर टिपण्णी लिखिए (विकल्प समेत)	-10 अंक

M.A.I HINDI Semister - II

अनिवार्य पेपर नं. Hindi 420 के सम्बन्ध में

* पुस्तक परीक्षण तथा सृजनात्मक लेखन *

1. एम.ए. प्रथम वर्ष के सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में समविष्ट पाठ्य-पुस्तकों में से किसी एक पुस्तक को लेकर पुस्तक परीक्षा करना होगा।
2. कम से कम 25 से 30 पृष्ठों का पुस्तक परीक्षण अपेक्षित
3. पुस्तक परीक्षण A-4 साईज़ कागज पर टंकित (DTP करके लाना होगा।
4. पुस्तक परीक्षण के लिए 50 अंक निर्धारित है।
5. पहले पुस्तक परीक्षण की हस्तलिखित प्रति संबंधित अध्यापक से जाँच कर फिर DTP और Spiral करके जमा की जाएँ।